Popular Front of India

G-78, 2nd Floor, Shaheen Bagh, Kalindikunj, Noida Road, New Delhi- 110025
website: www.popularfrontindia.org email:popularfrontmail@gmail.com Tel: 011- 29949902

प्रेस रिलीज़

नई दिल्ली
21 नवम्बर 2017

बनावटी मध्यस्थों की चालों से सावधान रहें: पॉपुलर फ्रंट

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के महासचिव एम. मुहम्मद अली जिन्ना ने आज जारी किये गए अपने एक बयान में कहा कि बाबरी मस्जिद–राम मंदिर मामले में श्री श्री रविशंकर की भूमिका एक गैरजानिबदार मध्यस्थ की नहीं है, बल्कि मस्जिद के खिलाफ मंदिर के एक पक्षपाती समर्थक की है।

कुछ महत्वहीन हिंदू और मुसलमानों से मुलाकात के बाद दिये गए रविशंकर के बयानों से उनके जानिबदाराना इरादे साफ ज़ाहिर होते हैं। इसलिए वह एक मध्यस्थ के लिए बिल्कुल भी मुनासिब नहीं हैं। रविशंकर का कहना है कि अब तक जितने भी मुसलमानों से उनकी बात चीत हुई है, किसी ने भी विवादित जगह पर राम मंदिर के निर्माण का विरोध नहीं किया है। दूसरे शब्दों में गलत तरीके से उनका इशारा यह है कि मुसलमान बाबरी मस्जिद के अपने दावे से पीछे हटने के लिए तैयार हैं।

यह मामला तथ्यों और कहानियों से घिरा हुआ है। जहाँ तथ्यों पर रविशंकर की ज़बान बिल्कुल चुप हो जाती है, वहीं कहानियों के पीछे आँखें बंद करके भागना उनके ढोंग को साफ बतलाता है। बाबरी मस्जिद की जगह पर राम जन्मस्थान होना एक विवादित कहानी है, जबकि 1528 में बाबरी मस्जिद का निर्माण, 1949 में बाबरी मस्जिद के अंदर मूर्तियों का रखा जाना और 1992 में विध्वंस की कार्यवाही अविवादित तथ्य हैं। इसलिए मानवता बाबरी की जगह के राम जन्मस्थान होने की कहानी पर बाबरी मस्जिद से जुड़े तथ्यों की तुरंत बहाली की अपील करती है। रविशंकर की मुलाकातों के बारे में जारी किये गए उनके बयानों से पता चलता है कि मामला सिर्फ मंदिर के निर्माण का ही है और उस जगह पर मस्जिद के पुनर्निर्माण की बात को बड़ी आसानी से नज़रअंदाज़ कर दिया गया है।

मुहम्मद अली जिन्ना ने सभी मुस्लिम लीडरों से अपील की है कि वे किसी भी बनावटी मध्यस्थ के जाल में फँसकर उनके झाँसे में न आएं और अपना समय बरबाद न करें, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन इस मामले में इस प्रकार की कार्यवाहियों का कोई कानूनी महत्व नहीं होगा और न इससे इस मामले का कोई हल निकल पाएगा।

सेक्रेटरी, जनसंपर्क,
मुख्यालय, पॉपलुर फ्रंट ऑफ इंडिया, नई दिल्ली